25 फरवरी, 2021

सीएसआर के तहत गोयल प्रोटीन्स द्वारा नवनिर्मित विद्यालय भवन का उद्घाटन कार्यक्रम

- गोयल प्रोटींस द्वारा नवनिर्मित विद्यालय भवन में उद्घाटन समारोह में आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आज का आयोजन इस नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण और विशिष्ट है कि यहां मैं माता सरस्वती और माता लक्ष्मी का अनोखा गठबंधन देख रहा हूं।

- अपने सामाजिक दायित्व को समझते हुए गोयल प्रोटींस द्वारा सभी सुविधाओं से युक्त यह आधुनिक विद्यालय भवन बनाया गया है।

- कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी की संकल्पना हमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के Trusteeship सिद्धांत की याद दिलाती है। यदि आपने समाज से पैसा अर्जित किया है तो आप उस धन के ट्रस्टी हैं और आपको उस धन को समाज की बेहतरी के उद्देश्य से खर्च करना चाहिए।

- आज गोयल प्रोटींस ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एक सरकारी विद्यालय भवन का कायाकल्प महादान से कम नहीं है। यहां भारत के नौनिहाल शिक्षा प्राप्त करेंगे। यहां भारत के भविष्य का निर्माण होगा, उन्हें आकार दिया जाएगा।

- साथियो, समाज की सेवा तो कई प्रकार से की जा सकती है। परंतु शिक्षा का अलख जगाकर, शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर के समाज की सेवा करना बहुत ही मायने रखता है। ऐसा इसलिए है कि क्योंकि किसी भी मनुष्य के जीवन में शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण पहलू होती है।

- शिक्षा के माध्यम से ही इंसान अपने जीवन और जगत के विविध पहलुओं को बेहतर ढंग से समझ पाता है और एक बेहतर समाज एवं देश का निर्माण कर पाता है।

- **साथियों, शिक्षा मानव सभ्यता के विकास की कुंजी है।** खासकर भारत जैसे देश में शिक्षा और भी ज्यादा जरूरी है। भारत एक ऐसा स्वतंत्र राष्ट्र है जिसका बहुत ही समृद्ध इतिहास है। यहां असाधारण रूप से जटिल सांस्कृतिक विविधता है। हमारे यहां कई भाषाएं हैं, कई बोलियां हैं, अलग-अलग स्थानों में, अलग-अलग तरह की वेशभूषा और रहन-सहन है।

- **भारत डायवर्सिटी में विश्वास रखता है और इसका सम्मान करता है। हर भारतीय भी मानता है कि इस डाइवर्सिटी के पीछे एक यूनिटी भी मौजूद है और विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी विशेषता है।**

- इसके साथ-साथ हमारे देश में लोकतांत्रिक मूल्यों तथा जन कल्याण के प्रति वचनबद्धता भी है इसलिए भारत जैसे देश की विशेषताओं को आगे बढ़ाने और समृद्ध करने के लिए शिक्षा की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

- मित्रो, आज भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। हमारी 60% से अधिक जनसंख्या युवा है। किसी भी देश के युवा ही उसकी असली संपत्ति होते हैं। देश का भविष्य युवाओं पर टिका है। लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि युवाओं की अपार ऊर्जा और रचनात्मकता को सही दिशा में लगाया जाए। उन्हें राष्ट्र निर्माण और सामाजिक आर्थिक विकास की प्रक्रिया में शामिल किया जाए, नहीं तो युवा शक्ति नकारात्मक दिशा में चली जाएगी। इससे समाज और राष्ट्र के शांति, समृद्धि और विकास की गति में बाधा आ सकती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि हम अपनी विशाल युवा जनसंख्या का सही तरीके से मार्गदर्शन करें उन्हें शिक्षित करते हुए सही कौशल प्रदान करें।

- **साथियो, आज पूरे विश्व को कुशल और प्रशिक्षित युवाओं की बड़ी जरूरत है। ऐसे में विश्व गुरु भारत के पास यह सुनहरा मौका है कि हम पूरी दुनिया के विकास और समृद्धि में योगदान करने के लिए अपने युवाओं को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करें उन्हें अप स्किल करें और उन्हें विश्व के हर कोने में भेजें।**

- साथियो, परिवार और समाज दोनों ही स्तर पर विकास के लिए शिक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षा हमें सच और झूठ, सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच फर्क करना सिखाती है। शिक्षा हमें बेहतर नागरिक बनाती है। यह हमारे अंदर सहिष्णुता, अनुसरण करना तथा संवेदनशीलता जैसे गुण पैदा करती है।

- शिक्षा के जरिए ही लोकतंत्र को मजबूत करके सामाजिक एकजुटता और विकास को प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन हमें यह ध्यान रखना है कि हम संपूर्ण समाज को शिक्षा और विकास के पथ पर साथ लेकर चलें। विकास की इस लंबी यात्रा में कोई भी वर्ग पीछे नहीं छूटना चाहिए।

- साथियो, यहां पर मैं एक बात जरुर कहना चाहूंगा। आज कई लोगों को लगता है कि शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य नौकरी पाना या पैसा कमाना है। उन्हें लगता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल भौतिक समृद्धि पाना ही है। परंतु मैं आप सबसे यह कहना चाहता हूं कि यह बात अधूरी है। यह एक एकांगी सोच है।

- सच तो यह है कि शिक्षा में नैतिकता और मूल्यों का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए यह जरूरी है कि नौकरी पाने और आजीविका कमाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों जैसे – संवेदना, सदाचार और नैतिकता का समावेश हो, तभी वह बेहतर और जिम्मेदार नागरिक बन सकेंगे। **अच्छे - बुरे के बीच फर्क कर पाएंगे एवं अपनी सभ्यता, संस्कृति, महान परंपराओं एवं विरासत का सम्मान और संरक्षण कर पाएंगे।**

- मित्रो, गुणवत्ता और मूल्य युक्त शिक्षा के जरिए युवाओं का भविष्य की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए भी तैयार किया जा सकता है। पर इसके लिए एक अच्छी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है। अच्छी शिक्षा प्रणाली वह होती है, जो प्रगतिशील हो, जो समानता और भाईचारे को बढ़ावा दें, जो हमेशा सामाजिक सद्भाव को कायम रखे एवं शांतिपूर्ण ढंग से मिलजुल कर रहना सीखे।

- हमारा देश बहुत आबादी वाला और विविधता पूर्ण है, इसलिए हमें समावेशी और मूल्य आधारित शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने की कोशिश करनी चाहिए।

- इसके अलावा हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हमारी शिक्षा प्रणाली न केवल vibrant और innovative हो, बल्कि यह बदलते समय की जरूरतों के अनुसार स्वयं को बदलती रहे, elastic हो एवं guiding force सिद्ध हो। इसी दृष्टि को रखते हुए नई शिक्षा नीति तैयार की गई है। नई शिक्षा नीति में उन सभी गुणों का समावेश है जिससे विद्यार्थी को अधिकतम स्किल दिया जा सके।

- **हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हर विद्यार्थी स्पेशल होता है। उसमें कुछ विशेष गुण और प्रतिभा होती है । इसलिए हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जो उनके स्पेशल टैलेंट को तराशे और बढ़ावा दे।**

- इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति मेरे विचार से बहुत उपयुक्त सिद्ध हो सकती है। इस शिक्षा नीति में वह लोच है, फ्लैक्सिबिलिटी है, जिससे हम विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकते हैं।

- मित्रो, मुझे विश्वास है कि इस विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र अपने सपनों और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

- उन सपनों को पूरा करते समय अपने ज्ञान और कौशल का सर्वोत्तम उपयोग करेंगे तथा अपने चरित्र निर्माण के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में पर्याप्त सहयोग प्रदान करेंगे।

- आज यहां उपस्थित विद्यार्थियों से मैं यह अनुरोध करता हूं कि वह जीवन में उन सद्गुणों को आत्मसात करें, जिन गुणों के बल पर गांधी, नेहरू, सुभाष, पटेल जैसे विभूतियों ने देश का नेतृत्व किया। हमें ऐसे महापुरुषों से सीखना चाहिए और स्वयं के चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा लेनी चाहिए।

- मैं विद्यालय के इस नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर सभी को विशेषकर छात्रों को बधाई देता हूं।

- मैं आशा करता हूं कि व्यापार जगत और समाज के बीच इसी प्रकार तालमेल के और अधिक उदाहरण हमें देखने को मिलते रहेंगे। अपने सामाजिक दायित्व को हृदय से अंगीकार करते हुए कारपोरेट जगत द्वारा जमीनी स्तर पर कई सकारात्मक परिवर्तन लाए जा सकते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण आज हमारी आंखों के सामने है।

- अंत में, मैं गोयल प्रोटींस को विद्यालय भवन निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं और हमारे देश की सेवा में उनके भावी प्रयासों में पूर्ण सफलता की कामनाएं भी करता हूं।